बिरज भासा पतरिका

अपनी बिरज , अपनी भासा

जुलाई ते सितम्बर-2018

सुविचार

1. खुसी जब मिलैगी जब हम जो सोचैं, जो कहमैं, और जो करैं वो एक जैसे होने चहियैं।

2. तुम अपनी (खुद) की सोचै बदलो, तिहारी दुनिया अपने आप ही बदल जाएगी।

संपादक

निरमान सोसाइटी-डीग-भरतपुर

उपरान ते बनी देसी दवाई (पौध बढाबे बारी दवाई)

उपरान ते बनौ उपाय पौधान कूं एक अच्छौ पौधा बारौ उपाय है। याके काम में लैबे ते दवाई के समान ही फल पामिंगे। याकौ चलन छोटे पौधा की तेज रफ्तार बढाबे में करौ जाबै।

बनाबे कूं सामान-

25-30 कंडा, ऊपरा

50 लीटर छमता कौ बरतन

बनाबे की विधि-

एक लीटर छमता के डिराम में दो साल पुराने ऊपरा या कन्डा की तरै लगाकैं पूरौ भर दैं। फिर बामै ऊपर ते पानी भर दैं। अब जाय सात दिना तक रखौ रेंहन दैं। रोजीना एक-दो बार डिरामें हिला दैं ताकि पानी में हलचल पैदा है जाय। डंडा डारकैं ना हिलानौ बल्कि डिराम पकर कैं सावधानी पूरवक हिलानौ है। 7 दिन पीछैं डिराम ते पानी निकार कैं अलग रख लैं और कन्डा, ऊपरान्नै निकाल कैं सुखा लैं और कोई दूसरे काम में लैलैं। याई तरै ते डिराम के पानीय नितार लैं।

उपयोग-

जो पानी मिलौ है ऊ पौधा बढाबे कूं भौत बढिया पौध बढाबे की दवाई है। या पानीय तीन गुना सादा पानी में डारकैं अच्छी तरै ते मिला लैं और खडी फसल पै छिडकाव करैं। एक एकड़ कूं लगभग 40-50 लीटर ऊपरान के पानी ते बनौ 150-200 लीटर तईयार दवाई जरूरी हैबै। अच्छे फल कूं 7 दिन पीछैं एक पोत दुबारा एक पोत चिडकाव करबे ते अच्छौ फल पायेंगे।

गोदाम और दूसरी सावधानियां

बनाबे ते पीछैं 1 महिना के भीतर काम में लैलैं।

कहानी- (च्यार मटका)

भौत पुरानी बातै। कोई गांम में एक कुम्हार रहबैऔ। ऊ मट्टी के बरतन बनाबैऔ। जाडेन के दिना में बानै मट्टी के भौत बढिया और लम्बे च्यार मटका बनाये। कुम्हार के और बरतन तौ खूब बिकते पर इन मटकान कौ कोई लैबार नाऔ। तौ एक दिना ये च्यारों मटका अकेले ही रहगे। तौ मटका अकेलेपन मिटाबे कूं आपस में बात करबे लगे। तौ पहलौ मटका बोलौ मैं तौ एक अच्छी सी मूरती बननौ चाहबैऔ जाते कोई अमीर के घर की सोभा बढातौ जाते लोग मोय देखबे कूं आते और मैं गर्व महसूस करतौ। पर मैं तौ एक मटका ही बनगौ जाय कोई भी ना पूछै। जभी दूसरे मटका नै अपनी परेसानी बताई और बोलौ मेरी तौ किस्मत खराब है। मैं तौ एक दियौ बनतौ ताकि लोगन के घर में रोज जरतौ और उजीतौ बिखेरतौ। जभी तीसरे मटका पै ना रुकौ गयौ वानै भी अपनी परेसानी बताई। ऊ बोलौ मोय पईसान ते भौत प्यार है, मैं गुल्लक हौं तौ लोग मोय राजी ते लै जाते और मोय पईसान ते भरौ रखते। अब तीनौ मटका अपनी-अपनी बात कहकैं चौथे मटका मांऊ देखबे लगे। तौ चौथौ मटका उन्नै देखकैं हंसरौ तौ तीनौ मटकान्नै ई बात बुरी लग्गी। और चौथे मटका ते बोले तोकूं मटका बनबे कौ दुख नाय का। या बात पै चौथौ मटका हंसकैं बोलौ। दुख तौ मो भीय हते पर मैं भी एक खिलौना बननौ चांहतौ ताकि जब बच्चे खेलते तौ भौत खुस हैंते और उनकी खुसी देखकैं मैं भी भौत खुस हौंतौ। पर हम नाकाम रिये। पर या दुनिया में मौकेन की कोई कमी नाय। बस धैर्य रखनौ चहियै। अब चौथे मटका की बात सुनकैं तौनों मटकान में खुसी छा गई। अब एक महिना डटकें गरमी आगी। तौ लोगन नैं गरमी में सीरे पानी की जरुरत परी। तौ उनकी नजर सबते पहलैं उन च्यार मटकान पै परी क्योंकि वे मटका भौत अच्छे और लम्बे। तौ लोगन्नै सबते पहलैं वे मटका सबते मंहगे दामन में खरीदे।

मुहावरा-

1. दूसरे के ऊपर घमंड करनौ। - कायरता दिखाना।
2. चकमा दैगौ। - धोखा देना।
3. बात रखनौ। -इज्जत बचाना।
4. नाम निसान मिटनौ।- पूर्ण रूप ते नष्ट हो जाना।

कहावत

1.दूद के भुरसे हुये छाच ते भी डर लगै।

अर्थ- दूध का जला छाछ भी फूंककर पीता है।

2.जेब कौ पईसा बीत जाबै पर जुबान कौ पईसा ना बीतै।

अर्थ- एक समय पै जेब में से पैसा बीत जायेगा पर आदमी की जुबान का पैसा नहीं बीतेगा।

सरकारी योजना- (मुख्यमंतरी राज सिरी योजना)

• 12 वीं कक्छा पास करबे तक गल्लेन तरिकान में अलग-अलग समै पै 50 हजार रुपईया की नगद सहायता।

1. योजना की रासि भामासाह ते सीधे खाते में।

2. अब तक 11 लाख ते जादा बालिकान कूं 400 करोड रुपया ते जादा की सहायता।

3. बेटीन कौ इसकूल ना छूटै या काजैं –

1. नौमी 9 कक्छा में पोंहचबे पै साइकिल – बारह लाख लडकीन कूं साइकिल दी।

2. जादा नम्बर लाबे बारी लडकीन कूं लैपटौप और इसकूटी - 15,400 से जादा इसकूटी और 97,000 ते जादा लैपटौप बांटे। संग में एक लाख ते जादा चैक भी।

3. भ्याह और काम- काज कूं 55000 रुपयान तक की सहायता। 373 करोड ते जादा की सहायता।

मुख्यमंतरी राजसिरी योजना में बेटीन कूं 6 तरिकान में मिलै ई नकद सहायता

जन्म के समै-2500

1 साल के टीका लग जाबे पै-2,500

पहली कक्छा में पोंहचबे पै-4,000

कक्छा 6 में पोंहचबे पै-5,000

कक्छा दस में पोंहचबे पै- 11,000

कक्छा 12 पास करबे पै- 25,000

मुख्यमंतरी राजसिरी योजना कौ लाब लैबे कूं...

माता -पिता के ढिंग आधार या भामासाह कार्ड हो

जनम ते राजिस्तान की रहबे बारी हो।

बच्ची कौ जनम सरकारी असपताल या चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के जरिये मंजूरी कौ निजी असपताल हो

1 साल तक कौ टीकाकरन पूरौ हो।

दोहा-

1. तन कौ जोगी सब करैं, मन कौ बिरला कोई।

सब सिध्दी सहजे पाइये, जे मन जोगी होई।

अर्थ- शरीर में भगवे वस्त्र धारण करना सरल है, पर मन को योगी बनाना बिरले ही व्यक्तियों का काम है य़दि मन योगी हो जाए तो सारी सिद्धियाँ सहज ही प्राप्त हो जाती हैं।

2. पांच पहर धंधे गया, तीन पहर गया सोय।

एक पहर हरि नाम बिन, मुक्ति कैसैं होय।

अर्थ- पांच पहर काम पर गए, तीन पहर नींद में बिताए, आखिरी एक पहर में भी भगवान् को याद नहीं किया, अब आप ही बताईये कि मुक्ति कैसे मिलेगी।

पहेली

1.कौनसी चीज है जाय हम खामै और पीमै।-**नारियल**

2.सिर छोटौ और पेट बडौ तीन टांग पै रहबै खडौ, खाबै हवा और पीबै तेल फिर दिखाबै अपनौ खेल।- **स्टोव**

लोकगीत (काई चमची से गुर खालो पिया)

1.टेक- काई चमची से गुर खालो पिया,

दूद धरौ अलबारी में

मन मार याई मारो मत जाओ पिया, तडके पियर डिगर जाऊंगी

मेरौ बाबुल है थानेदार पिया, दूजौ भ्याह रचा देगौ

मेरौ भईया है साहूकार पिया, नौ मन खांड़ गरा देगौ

मेरौ मामा है ललचार पिया, दूजौ भात पैहरा जागौ।

मेरी पौरी के आगैं नीम रे पिया, घनन-घनन फेरा लै लुंग्गी

तू बैठौ-बैठौ देख पिया तेरौ जिया जरा दुंग्गी

मेरे पामन बाजनी पजेब छम-छम करती डोलुंगी

तुम नौ महिना गम खाओ पिया, गोदी में लाल खिला लुंगी

2. मेरी सास सबते प्यारी मनरा लियौ बुलाय

ऐसी चूडियां पैहरौ मेरी बहुअल धूप खिलै जब नग चमकै

दौर जिठानी यूं उठ बोली पति जेल कूं जारौ सै

कहां रखे सासुल बेटा के कपडा, कहां पै रखी तलवार

कर मरदानौ भेस जनानौ पति छुडाबे जा रई सै

गैल में गैलऊआ पूछै कौन है देस के रहबे बारे काहय तुम्हारौ नाम

बहुत दूर के रहने अवसर हमारौ नाम

कुरसी पै बैठौ,टेबिल पै बैठौ चाय पिबाऊं तुमकूं

ना बैठूं कुरसी, ना बैठूं टेबिल, ना पीऊं चाय तुम्हारी

कै तौ राजा के लडकाय छोडौ, तुमनै सूली चढांऊ

ये लो री तुम्हारे राजा कौ लडका, हमनै हांसी कर लई

आगैं-आगैं चलरे राजा पीछैं चल रई गोरी

ये लो री सासुल बेटा के कपडा ये लो री तलवार

साबास री गोरी प्यारी बहुअल बेटाय छुडाय घर लाई

तईयार करबे बारे

जगदीश चन्द नैहचैनिया, सतवीर चौधरी

और रतन लाल योगी

भजन (गाडी तिहारी लिकर गई)

टेक- गाडी तिहारी लिकर गई, मईया टिकट ना कटा पाई

1.पहली टिकट बचपन की कटाई, खेलकूद में है भूल गई

गाडी तिहारी लिकर गई, मईया टिकट ना कटा पाई

2.दूजी टिकट मैंने जुआनी की कटाई, मस्ती में भूल गई

गाडी तिहारी लिकर गई, मईया टिकट ना कटा पाई

3.तीसरी टिकट मैंने संगत की कटाई, संग में भूल गई

गाडी तिहारी लिकर गई, मईया टिकट ना कटा पाई

4.चौथी टिकट मैंने मईया की कटाई, पूजा में भूल गई

गाडी तिहारी लिकर गई, मईया टिकट ना कटा पाई

5.पांची टिकट मैंने बुढापे की कटाई,

कफ खांसी में भूल गई

गाडी तिहारी लिकर गई, मईया टिकट ना कटा पाई

चुटकला-

1.एक मांईस भिखारी ते कहरौ अगर तेरी लौटरी लग जाय तौ तू काह करैगौ। भिखारी बोलौ एक कार और चांदी कौ कटोरा खरीदुंग्गौ, फिर कार में बैठकैं भीक मांगे करुंगौ।

2. एक भिखारी नै रेल में खडे मांईस ते बोलौ भगवान के नाम पै पईसा दैदै बाबा। मांईस बोलौ खुल्ले नाय। भिखारी बोलौ कितेक के चहियैं पान सैके या सौ रुपया के। मांईस बोलौ जब तेरे ढिंग पान सौ रुपया के खुल्ले हतैं तौ भिखारी कौन।

ताजुब ई नाय कि कोई काम करकै दिखायौ है,

बल्कि हमें बा कामैं करकैं खुसी हुई है।

मिलबे कौ पतौ

निर्माण सोसायटी

सहारई रोड़, ब्लू बर्ड इसकूल के पास,

डीग,भरतपुर, राजस्थान- 321203

Ph.-05641- 224424, 9587593455

Email-rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

Web.-www.nirmaan.org.in